आईपीएल फाइनल का दिखा जूनून, लगाई बड़ी स्क्रीन

क्रिकेट प्रेमियों ने उठाया मैच का लुत्फ

नवभारत न्यूज

सतना,31 मई,इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले को लेकर रविवार रात शहर में जबरदस्त उत्साह और रोमांच देखने को मिला। खेल के प्रति दीवानगी इस कदर थी कि युवाओं से लेकर हर उम्र के क्रिकेट प्रेमी टीवी और मोबाइल स्क्रीन से चिपके रहे।

शहर के सीताराम पेट्रोल पंप के समीप युवाओं द्वारा आईपीएल फाइनल मैच आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच खेल गए मैच का लाइव प्रसारण के लिए एक विशाल स्क्रीन लगाई गई थी। मैच शुरू होते ही यहां क्रिकेट प्रेमियों का हुजूम उमड़ पड़ा। चौके-छक्कों और विकेट

गिरने पर युवाओं ने जमकर शोरगुल की और अपनी पसंदीदा टीम का उत्साहवर्धन किया। मैच के दौरान पल-पल बदलते समीकरणों के साथ दर्शकों की सांसें भी थमती नजर आईं। बड़ी स्क्रीन के सामने बैठे क्रिकेट प्रेमियों का कहना था कि स्टेडियम जैसा माहौल शहर में ही मिल जाने से मैच देखने का मजा दोगुना हो गया।

देर रात तक चले इस मुकाबले में हर गेंद पर दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और पूरा माहौल क्रिकेट के रंग में रंगा नजर आया। देररात जब बैंगलोर की टीम ने गुजरात को पराजित कर आईपीएल ट्राफी में कब्जा किया तो कुछ निराश हुए तो कुछ खुशी से उछल पड़े.

सबके साथ मिलकर देखने का मजा ही कुछ और : सुशांत

सुशांत सक्सेना ने बताया कि क्रिकेट प्रेमियों के मनोरंजन के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा, हम सभी यहाँ मैच का लुत्फ उठाने के लिए एकत्रित हुए हैं। विकेट गिरने और चौके-छक्कों की बौछार पर जश्न मनाने के लिए ढोल और बाजे का इंतजाम किया गया है, जिससे मैच देखने का रोमांच दोगुना हो गया है।

बड़ी स्क्रीन में मैच देखने का अनुभव अलग : अनूप

अनूप प्रताप सिंह ने कहा कि खेल प्रेमियों के मनोरंजन के लिए यह एक बेहतर मंच है। बड़ी स्क्रीन पर मैच देखना एक शानदार अनुभव है। उन्होंने खेल भावना का परिचय देते हुए कहा कि वे किसी एक टीम के नहीं, बल्कि दोनों ही टीमों के प्रदर्शन का समर्थन कर रहे हैं।

क्रिकेट को लेकर लोगों में दिवानगी : सचिन

मैच देख रहे सचिन सिंह ने दर्शकों के उत्साह को साझा करते हुए बताया कि फाइनल मैच को लेकर लोगों में काफी दीवानगी है। उन्होंने विशेष रूप से आरसीबी का जिक्र करते हुए कहा कि इस टीम के मैच को देखने के लिए सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। बड़ी स्क्रीन पर सामूहिक रूप से मैच देखना लोगों के लिए यादगार अनुभव साबित हो रहा है।

पीएम आवास में पुलिस की रेड, कटे हुए वाहन बरामद

स्थानीय लोगों की शिकायत पर हुई कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सतना 31 मई,शहर के कोलगवा थाना अंतर्गत आने वाले पीएम आवास में पुलिस ने स्थानीय रहवासियों की सूचना पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने यहां छापेमारी कर अवैध रूप से कटी गाड़ियों को बरामद किया है.

इस मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है, जबकि दो अन्य युवक मौके से फरार हो गए. जानकारी के अनुसार, कोलगवा थाना क्षेत्र के पीएम आवास में पिछले कुछ समय से चार युवकों की संदिग्ध गतिविधियां देखी जा रही थीं। स्थानीय रहवासियों को वहां अवैध काम होने की शंका थी, जिसकी शिकायत उन्होंने कोलगवा पुलिस से की थी. शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कोलगवा पुलिस की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से पीएम आवास में छापा मारा। मौके पर पुलिस को कुछ दोपहिया वाहन कटे हुए मिले, कुछ के पार्ट गायब मिले. वही आशंका जताई जा रही है कि ये गाड़ियां चोरी की हो सकती हैं।

पुलिस ने कटे हुए वाहनों को जब्त कर लिया है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन गाड़ियों के चेसिस और इंजन नंबर क्या हैं, ताकि इनके असली मालिकों का पता लगाया जा सके।

इनका कहना है

पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस PM आवास गई थी ऐसा कोई मामला नहीं है ,गाड़ी कि फोटो कोई क्लिक कर लिया होगा

सुदीप सोनी
कोलगवां थाना प्रभारी

आधे घंटे की बारिश ने दी गर्मी से राहत

जाम नालियों का कचरा बहकर सड़क पर आया

नवभारत न्यूज

सतना 31 मई. विद्युत वितरण कंपनी और नगर निगम द्वारा पिछले कुछ दिनों से लगातार प्री-मानसून मेंटिनेंस का दावा किया जा रहा है. लेकिन रविवार को हुई महज आधे घंटे की बारिश ने किए जा रहे तमाम दावों की पोल खोलकर रख दी. एक ओर जहां जाम नालियों का कचरा सड़क पर बहने लगा वहीं दूसरी ओर बारिश शुरु होते ही गुल हुई बिजली आगे भी कई घंटों तक रुलाती रही.

रविवार की दोपहर शहर में लगभग आधे घंटे के भीतर 33.6 मिमी बारिश दर्ज की गई. बारिश शुरु होते ही शहर की सड़क और गलियों में जल जमाव की समस्या स्पष्ट तौर पर नजर आने लगी. वहीं कुछ देर होते ही नालियों भी पूरी तरह भर गईं और उनमें भरा हुआ मलबा सड़क और गलियों में पानी के साथ बहने लगा. इतना ही नहीं बारिश के जोर पकड़ते ही सड़क और गलियों में घुटनों तक जल जमाव नजर आने लगा. यह समस्या जिला चिकित्सालय रोड, जगतदेव तालाब रोड, कृष्ण नगर रोड, लालता चौक, बरदाडीह रोड, मुख्यारगंज, काली बाड़ी मंदिर के निकट और स्टेशन रोड सहित अन्य कई स्थानों पर देखने को मिली. देखते ही देखते बारिश और नाली का यह गंदा पानी लोगों के घर और दुकानों में प्रवेश करने लगा. जिसे देखते हुए बारिश में भीगते हुए भी लोग अपने-अपने घर

दुकान का पानी बाहर निकालने की जद्दोजहत करते दिखाई दिए. वहीं बारिश का क्रम रुकने और सड़क पर जमा पानी निकल जाने के बाद लोगों के सामने मुसीबत तब और बढ़ गई जब नालियों से बहकर सड़क पर आया कचरा उनके घर-दुकान के सामने पसर गया. गौरतलब है कि नगर निगम द्वारा पिछले कुछ दिनों से प्री मानसून मेंटिनेंस का अभियान छेड़ा गया है. जिसके अंतर्गत शहर के नाले-नालियों की लगातार सफाई कराई जा रही है. लेकिन रविवार को महज आधे घंटे की बारिश ने ननि अमले द्वारा प्रचारित की जा रही सारी मेहनत पर पानी फेर कर रख दिया.

सरदर्द बने रहे विद्युत फाल्ट

आवश्यकता से अधिक बिजली की उपलब्धतता के दावे की पोल तो पखवाड़े भर पहले ही तब खुलनी शुरु हो गई थी. जब भीषण गर्मी के दौरान शहर के सिटी, कोलगवां और प्रेम नगर उपकेंद्र के जरिए किसी किसी दिन लगातार 10 मिनट निर्बाध बिजली सप्लई कर पाना तक संभव नहीं हो पा रहा था. लोड बढ़ते ही कहीं ट्रांसफार्मर तो कहीं तार और अन्य उपकरण दगना शुरु हो जाते थे. इसी दौरान प्री मानसून मेंटिनेंस के नाम पर अलग अलग क्षेत्रों में घंटों बिजली कटी रहती थी. लेकिन वहीं रविवार को महज आधे घंटे की बारिश क्या हुई कि विद्युत विभाग द्वारा किया जाने वाला सारा मेंटिनेंस और अपग्रेडेशन धरा का धरा रह गया. हलांकि बारिश शुरु होते ही बिजली के गुल हो जाने की पुरानी परंपरा की अब लोगों को आदत हो चुकी है. लेकिन बारिश बंद हो जाने के 4 घंटे बाद तक भी जब ब्लैक ऑऊट बना रहा तो परेशान लोगों ने उपकेंद्र पहुंचकर तीखी शिकायत करनी शुरु कर दी. बारिश के घंटों बाद किसी तरह वापस लौटी बिजली कुछ समय बाद ही रह रह फिर से रुलाने लगी. जिसके पीछे जगह-जगह आने वाले फाल्ट को बताया गया.

अमृत मिशन 2 .0 परियोजनाओं का आयुक्त ने लिया जायजा

▶ वर्षा पूर्व कार्य पूर्ण करने के निर्देश

नवभारत न्यूज

सतना 31 मई, डॉ.शेर सिंह मीना,आयुक्त नगर पालिक निगम सतना ने अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने जिगनहट घाट में निर्माणाधीन नवीन

एनीकट एवं इंटेक वेल तथा डिलौरा में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय जल टंकी (ओएचटी) का जायजा लिया। इसके पश्चात वाटर बॉडी घटक अंतर्गत अमौधा एवं रजहा तालाब तथा सीवर घटक अंतर्गत बदखर में निर्माणाधीन आईपीएस(इंटरमीडिएट पम्पिंग स्टेशन) का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा की समीक्षा की एवं कार्यों में आवश्यक गति लाकर उन्हें निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आत्महत्या के 3 दिन बाद सामने आया सनसनीखेज वीडियो

सभी पहलुओं को देखते हुए पुलिस ने शुरू की जांच

नवभारत न्यूज

सतना 31 मई, जिले के जसो थाना क्षेत्र के कलावल गांव में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में नया घटनाक्रम सामने आया है। घटना के तीन दिन बाद मृतक का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह आत्मघाती कदम उठाने से पहले अपनी पत्नी और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाता दिखाई दे रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में मामले को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज कुशवाहा ने 28 मई को पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

बताया जा रहा है कि आत्महत्या से पहले उसने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। वायरल वीडियो में मनोज मानसिक तनाव में दिखाई देता है और अपनी पत्नी संजना के व्यवहार को अपनी परेशानी की वजह बताता है। मृतक का आरोप था कि पत्नी मायके जाने के बाद वापस ससुराल नहीं लौट रही थी। उसने कई बार फोन कर उसे घर आने के लिए कहा, लेकिन पत्नी ने लौटने से इनकार कर दिया। वीडियो में वह यह भी दावा करता सुनाई दे रहा है कि फोन पर उसे अपमानित किया गया। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की सत्यता और उसमें लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आत्महत्या के वास्तविक कारणों और आरोपों की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी।

9 महीने पहले की थी लव मैरिज

परिजनों के अनुसार मनोज और संजना ने नौ महीने पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों ने पहले कोर्ट मैरिज की थी और कुछ समय तक महाराष्ट्र के पुणे में साथ रहने के बाद अपने गांव लौट आए थे। बताया गया कि 27 मई को दोनों गांव पहुंचे थे। इसके बाद पत्नी अपने मायके रैगांव चली गई। परिवार का कहना है कि इसी कारण मनोज तनावग्रस्त था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पत्नी कहती है मर जाओ

वीडियो में मनोज ने कहा कि- पत्नी ने मेरी जिंदगी खराब कर दी है। वो मायके से वापस नहीं आ रही है, कहती है मर जाओ, लो मैं मर रहा हूं, अपनी जान दे रहा हूं। मेरी जान लेकर उसे भी जीने का कोई हक नहीं है, मुझे इंसाफ मिलना चाहिए। मैं पेड़ पर फांसी लगा रहा हूं, इसकी जिम्मेदार मेरी पत्नी संजना, रिंकू, उनके पूरे घर के लोग, मेरे मरने का कारण केवल वही लोग हैं। आकर मेरा शरीर उठा ले जाना और मुझे न्याय दिलवाना। पत्नी के पिता ने मुझे जेल भिजवाने की धमकी दी है।

केन्द्रीय जेल में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

सतना 31मई, केन्द्रीय जेल सतना में राज्य शासन के निर्देशानुसार जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा के मार्गदर्शन में रविवार को "विश्व तम्बाकू निषेध दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जेल अधिकारियों द्वारा मद्यपान एवं मादक पदार्थों, नशीली दवाईयां, शराब, गांजा, चरस, गुटका इत्यादि विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से बंदियों को अवगत कराते हुये, नशे से दूर रहने के लिये आह्वान किया। गीत-संगीत के माध्यम से नशे से दूर रहने के लिये बंदियों को प्रेरित किया। बंदियों द्वारा भी नशा मुक्ति से संबंधित प्रेरक गीतों का गायन किया। वहीं समाजसेवी विनय त्रिपाठी द्वारा बंदियों को संबोधित किया गया और नशे से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया गया व बंदियों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के अंत में बंदियों को प्रत्येक नशा से दूर रहने के लिये संकल्प / शपथ दिलायी गई। इस अवसर पर जेल उप अधीक्षक श्रीकांत त्रिपाठी, जेल उप अधीक्षक सोनबीर सिंह कुशवाह, सहायक जेल अधीक्षक अभिमन्यु पाण्डेय, सहायक जेल अधीक्षक श्रीमती फिरोजा सिंह, सहायक जेल अधीक्षक/अष्टकॉण अधिकारी अनिल प्रताप सिंह, समाजसेवी विनय त्रिपाठी, जेल स्टॉफ व बंदीगण उपस्थित रहे।

पिछले 7 साल से धूल फांक रहे करोड़ों के स्मार्ट टॉयलेट

नगर निगम की लापरवाह कार्यशैली से स्वच्छता मिशन पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

सतना 31 मई, स्वच्छता को बढ़ावा देने और शहर को आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं से लैस करने के उद्देश्य से तत्कालीन नगर निगम कमिश्नर प्रतिभा पाल के कार्यकाल में स्वच्छ भारत अभियान के तहत बड़ी उम्मीदों के साथ शहर के लिए अत्याधुनिक मॉड्यूलर और ऑटोमेटिक टॉयलेट मंगाए गए थे।

दावा किया गया था कि इन टॉयलेट्स की स्थापना शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर

की जाएगी ताकि आम नागरिकों, यात्रियों और व्यापारियों को स्वच्छ एवं आधुनिक शौचालय सुविधा उपलब्ध हो सके। लेकिन विडंबना यह है कि करीब सात वर्ष बीत जाने के बाद भी ये टॉयलेट आज तक उपयोग में नहीं आ सके और नगर निगम की निष्क्रियता के कारण महज शोपीस बनकर रह गए हैं। जानकारी के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन के तहत राजस्थान से आधा दर्जन से अधिक प्री-फैब्रिकेटेड स्टील बॉडी वाले स्मार्ट टॉयलेट मंगाए गए थे। उस समय इन्हें शहर की आधुनिक पहचान के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इन टॉयलेट्स की खासियत यह थी कि ये पूरी तरह ऑटोमेटिक सिस्टम पर आधारित थे। उपयोगकर्ता को प्रवेश के लिए पांच रुपये का सिक्का डालना था, जिसके बाद दरवाजा स्वत: खुल जाता। अंदर मॉड्यूलर फिटिंग, आधुनिक सीटें, पानी की व्यवस्था और अन्य सुविधाएं उपलब्ध थीं। टॉयलेट के ऊपरी हिस्से में पानी की टंकी भी लगाई गई थी, जिससे इसे स्वतंत्र रूप से संचालित किया जा सके।

मुख्यमंत्री के बयान के विरोध में कांग्रेस करेगी पुतला दहन

सतना 31 मई, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ दिए गए अमर्यादित बयान के विरोध में कांग्रेस कल प्रदर्शन करेगी।जिला कांग्रेस कमेटी (सतना) के अध्यक्ष व विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी के नेतृत्व में 1 जून 2026 (सोमवार) शाम 5.00 बजे पन्नीलाल चौक में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा।

अस्पताल में तंबाकू निषेध दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

सतना 31मई, रविवार को विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह (25 मई से 31 मई) के अंतर्गत जिला अस्पताल एवं सामु स्वा केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला एवं डॉ अमर सिंह सिविल सर्जन सतना के मार्गदर्शन में लोगों को जागरूक करने हेतु आयोजित हुआ। कार्यक्रम की रूपरेखा तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल

अधिकारी डॉ. प्रदीप गौतम द्वारा तैयार की गई इस दौरान डॉ गौतम द्वारा तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि तंबाकू का सेवन मुख कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियों तथा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है। जिला अस्पताल के साथ ही विकास खंड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा सामु स्वा केंद्रों में उपस्थित लोगों को तंबाकू सेवन छोड़ने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

एक नजर में

किसानों के साथ सुनी गई मन की बात

सतना, भाजपा जिला संगठन के मार्गदर्शन में जिले के सभी 1522 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 134 वां संस्करण पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने किसानों के बीच बैठ कर सुना. मन की बात के 134 वें एपिसोड की फीडिंग में सतना प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा ! सतना सांसद गणेश सिंह ने शक्तिकेन्द्र सोहावल के बूथ क्रमांक 118, भाजपा जिलाध्यक्ष पं भगवती प्रसाद पांडे ने शक्तिकेन्द्र बेलहटा के बूथ क्रमांक 301 में,विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार ने शक्तिकेन्द्र मझगंवा के बूथ क्रमांक 101 में, विधायक विक्रम सिंह ने शक्तिकेन्द्र जमुना के बूथ क्रमांक 97 में, महापौर योगेश ताम्रकार ने शक्तिकेन्द्र रामपुर चौरासी बूथ क्रमांक 139 में, चित्रकूट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष विजय यादव ने भाजपा कार्यालय में क्षेत्रीय किसानों के साथ प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को सुना.

कांग्रेस सेवादल ने करसरा में किया ध्वज वंदन

सतना, कॉंग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष बरमेंद्र प्रताप सिंह ने जारी प्रेस विज्ञापित मे बताया कि पूरे भारत वर्ष मे माह के अंतिम रविवार को एक साथ एक ही समय पर अखिल भारतीय कॉंग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई के निर्देश पर ध्वज वंदन किया जाता हैं । कॉंग्रेस सेवादल के प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के आदेश पर ब्लॉक कॉंग्रेस सेवादल सोहावल के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र त्रिपाठी द्वारा ग्राम करसरा मे ध्वज वंदन का कार्यक्रम रखा गया ।

संजीवनी महोत्सव में सजी कृष्ण-सुदामा की झांकी

सतना, संत मोतीराम आश्रम में आयोजित महंत स्वामी खिम्यादास जी के सानिध्य संजीवनी महोत्सव के अंतर्गत श्रीमद् भागवत कथा षष्ठमदिवस की जानकारी आश्रम के भाईसाहब प्रहलाद भाई एवं पप्पू सूखनानीने बताया कि आज का प्रसंग कृष्ण-सुदामा चरित्र का अत्यंत मार्मिक एवं प्रेरणादायी प्रसंग प्रस्तुत किया गया। भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के मिलन की कथा सुनकर एवं झांकी का दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

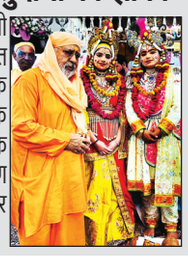

कैंसर की ओर बढ़ते कदम, शौक और तनाव के नाम पर बढ़ रहा तंबाकू सेवन

सिगरेट, गुटखा और सुपारी का बढ़ता चलन बना चिंता का विषय, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने समय रहते लत छोड़ने की दी सलाह

नवभारत न्यूज

सतना 31 मई, देशभर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू छोड़ने का संदेश दिया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट नजर आ रही है. सतना में युवाओं के बीच सिगरेट, गुटखा और सुपारी का चलन तेजी से बढ़ रहा है.

डॉक्टर कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों को लेकर चेतावनी दे रहे हैं, दुकानदार युवाओं को सबसे बड़ा ग्राहक बता रहे हैं, जबकि छात्र खुद स्वीकार कर रहे हैं कि शौक और तनाव के नाम पर बड़ी संख्या में युवा धूम्रपान की ओर बढ़ रहे हैं. स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि तंबाकू से होने वाली अधिकांश बीमारियों से बचाव संभव है, यदि लोग समय रहते इसकी लत से दूर हो जाएं. विश्व तंबाकू निषेध दिवस का उद्देश्य लोगों को तंबाकू दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

युवाओं में बढ़ रहा तंबाकू का सेवन

सतना के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव प्रताप सिंह ने बताया कि उनके पास आने वाले मरीजों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है जो लंबे समय से तंबाकू, गुटखा, सुपारी अथवा सिगरेट का सेवन कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग इन उत्पादों का सबसे अधिक उपभोग कर रहा है. डॉ. गौरव प्रताप के अनुसार पहले जहां तंबाकू और सिगरेट का सेवन मुख्य रूप से पुरुषों तक सीमित माना जाता था, वहीं अब महिलाओं में भी सिगरेट की लत बढ़ती दिखाई दे रही है. इसके साथ है उन्होंने बताया कि मुंह का कम खुलना, मुंह के अंदर सफेद या लाल धब्बे पड़ना, लगातार छाले बने रहना, निगलने में परेशानी होना, मुंह या गले में गांठ महसूस होना और बिना कारण लंबे समय तक दर्द बने रहना कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है.

शौक और तनाव बन रहा बहाना

महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र सौरभ गुप्ता ने बताया कि युवाओं में सिगरेट पीने का चलन लगातार बढ़ रहा है. कुछ युवा इसे शौक के तौर पर अपनाते हैं, जबकि कई लोग तनाव या मानसिक दबाव का हवाला देकर सिगरेट का सेवन करते हैं. हालांकि धीरे-धीरे यह आदत लत का रूप ले लेती है, जिससे छुटकारा पाना आसान नहीं होता.

युवा सबसे ज्यादा ग्राहक

शहर के व्यवसायी सेठी लाल पटेल ने बताया कि दुकान पर गुटखा और सिगरेट दोनों की बिक्री काफी ज्यादा है. उनके अनुसार 20 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा इन उत्पादों की सबसे अधिक खरीदारी करते हैं.